Previous Years' Paper

Common University Entrance Test for UG Programmes

CUET-UG - Hindi

Entrance Exam, 2025

(After the list of questions, the solution will Start.)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित अगले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण उपकरण है। यह जीवन के कठिन समय में चुनौतियों का सामना करने का मार्ग प्रशस्त करती है। शिक्षण प्रक्रिया के दौरान प्राप्त किया गया ज्ञान प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है । शिक्षा जीवन में बेहतर संभावनाओं को प्राप्त करने के अवसरों के लिए विभिन्न दरवाजे खोलती है । ग्रामीण क्षेत्रोंमें शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा बहुत से जागरुकता अभियान चलाये जा रहे हैं, जिससे सभी व्यक्तियों में समानता की भावना लाई जा सके तथा देश को विकास के पथ पर आगे ले जाया जा सके। आज के वैज्ञानिक एवं तकनीकी युग में शिक्षा की अहम भूमिका है। आजकल शिक्षा के स्तर को आगे बढ़ाने के लिए बहुत तरीके अपनाए जा रहे हैं। शिक्षा का पूरा तंत्र अब बदल गया है। आज १२वीं कक्षा के बाद दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से नौकरी करते हुए कोई भी पढ़ाई कर सकता है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से हम आसानी से किसी भी बड़े और प्रसिद्ध विश्वविद्यालय में बहुत कम शुल्क पर प्रवेश ले सकते हैं। इसके अलावा अनेक छोटे-छोटे संस्थान भी विभिन्न कौशलों को विकसित करने वाले लघु अवधीय कौशलपरक पाठ्यक्रम चला रहे हैं। इन कौशलों में दक्षता प्राप्त कर व्यक्ति कम समय में ही अपने पैरों पर खड़ा हो सकताहै।

Q.1. गद्यांश के अनुसार जीवन में सफलता का अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण है –

1. नैतिकता

2.परिश्रम

3. शिक्षा

4. अनुशासन

Q.2. ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा शिक्षा को कैसे बढ़ावा दिया जा रहा है ?

1. विद्यालय खोलकर

2. जागरुकता अभियान चलाकर

3. रोजगार के अवसर देकर

4. दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से

Q.3. गद्यांश के अनुसार आज का युग किस प्रकार का है?

1. चुनौतियों से भरा

2. आधुनिक युग

3. वैज्ञानिक और तकनीकी युग

4. प्राचीन युग

Q.4. गद्यांश में प्रयुक्त अपने पैरों पर खड़ा होना वाक्यांश का क्या अर्थ है?

1. कौशलपरक शिक्षा प्राप्त कर लेना

2. दूरस्थ शिक्षा का लाभ उठाना

3. विज्ञान और तकनीक से जुड़ना

4. आत्मनिर्भर बनना

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित अगले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

नाटक की तरह एकांकी में चरित्र अधिक नहीं होते। यहाँ पांच-छह से अधिक चरित्र नहीं होते । चरित्रों में भी केवल नायक की प्रधानता रहती है, अन्य चरित्र उसके व्यक्तित्व को अग्रसर करते हैं । यहाँ प्रतिनायक की कल्पना सामान्यतः नहीं रहती। नायक स्वये अपने उत्थान पतन के लिए उत्तरदायी है। एकाकी में विदूषक की कल्पना नहीं की जाती, क्योंकि एकांकी की कथावस्तु में इसके लिए स्थान ही नहीं होता । हास्य, व्यंग्य और विनोद का काम उसके चरित्रों के संवादों से ही चल जाता है। एकांकी के चरित्र को सजीव, व्यक्तिवादी और प्रभावशाली होना चाहिए। यहाँ चरित्र एक ऐसा बिंदु है, जो अपने चारों ओर वृत्त या घेरा बनाता जाता है। अतएव, घटनाओं के उत्थान-पतन की कोई आवश्यकता नहीं पड़ती। चरित्र का निर्माण उसके संस्कार, मनोविज्ञान और वातावरण के अनुसार होता है। प्राचीन नाटकों की तरह यहाँ

नायक या पात्रों का कोई बना बनाया साँचा नहीं होता। नायक के लिए सर्वगुणसंपन्न होना भी आवश्यक नहीं । वह तो एक साधारण व्यक्ति है, जो साधारण लोगों की तरह सुख-दुःख के बीच जीवन बिताता है। अधिकतर एकांकियों में चरित्र की मानसिक स्थिति द्वंद्वात्मक होती है । उसे अंतर्द्वन्द्व और बाह्यद्वंद्व से संघर्ष करता हुआ दिखाया जाता है।

Q.5. 'कल्पना शब्द में संज्ञा का भेद बताइये.

1. व्यक्तिवाचक
2. पुरुषवाचक
3. जातिवाचक
4. भाववाचक

Q.6. गद्यांश के अनुसार कौन सी विशेषता एकांकी के चरित्र से सम्बंधित नहीं है ?

1. सजीव
2. व्यक्तिवादी
3. प्रभावशाली
4. सर्वगुणसंपन्न

Q.7. गद्यांश के अनुसार चरित्र निर्माण के लिए इनमें से क्या आवश्यक नहीं है ?

1. संस्कार
2. मनोविज्ञान
3. वातावरण
4. घटनाओं का उत्थान-पतन

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित अगले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

बार-बार आती है मुझको मधुर याद बचपन तेरी
गया ले गया तू जीवन की सबसे मस्त खुशी मेरी।
चिंता रहित खेलना खाना वह फिरना निर्भय स्वच्छंद।

कैसे भूला जा सकता है बचपन का अतुलित आनंद ?

ऊंच-नीच का ज्ञान नहीं था छुआ छूत किसने जानी ?

बनी हुई थी वहां पड़ी और चीड़ों में रानी।

रोना और मचल जाना भी क्या आनंद दिखाते थे।

बड़े-बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे।

वह सुख का साम्राज्य छोड़कर मैं मतवाली बड़ी हुई।

लुटी हुई,कुछ ठगी हुई-सी दौड़ द्वार पर खड़ी हुई।

Question Number (8 to 11)

Q.8. उपयुक्त पंक्तियों में कवयित्री जीवन की सबसे अच्छी खुशियों को ले जाने का उत्तरदायी किसे मानती है ?

1. चिंता

2. युवावस्था

3. बचपन

4. जावन संघर्ष

Q.9. कवयित्री ने बचपन के अतुलित आनंद के रूप में इनमें से किसे याद नहींकिया है ?

1. चिंता मुक्त क्रीड़ा

2. निर्भय स्वच्छंद विचरण

3. ऊंच-नीच का भेद ज्ञान

4. अभाव में दुःख की अनुभूति

Q.10. 'छुआ छूत' में कौन सा समास है ?

1. द्विगु

2. द्वंद्व

3. कर्मधारय

4. अव्ययी भाव

Q.11. उपर्युक्त पद्यांश का इनमें से सर्वाधिक उचित शीर्षक होगा –

1. मेरा बचपन

2. बीता हुआ समय

3. मेरी स्मृतियाँ

4. जीवन का आनंद

Q.12. 'अपना उल्लू सीधा करना' मुहावरे का अर्थ है –

1. धूर्तता करना

2. अपना काम निकालना

3. किसी को ठगना

4. अपनी बड़ाई स्वयं करना

Q.13. 'अपराधी सदैव सशंकित रहता है। इस अर्थ के लिए इनमें से कौन सी लोकोक्ति उपयुक्त है?

1. चोरी का माल मोरी में।

2. चोर चोर मौसरे भाई ।

3. चोर की दाढ़ी में तिनका ।

4. चोर साह से कहे जागते रहो ।

Q.14. निम्नलिखित में से 'प्र' उपसर्ग सेनिर्मित शब्द नहीं हैं –

(A) प्रकाश

(B) प्रतिकूल

(C) प्रख्यात

(D) प्रत्यक्ष

(E) प्रबल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल (B),(C) और (D)

2. केवल (A) और (C)

3. केवल (B) और (C)

4. केवल (B) और (D)

Q.15. इनमें से कौन सा शब्द 'ई प्रत्यय से निर्मित नहीं है –

(A) खुजली

(B) हरियाली

(C) सरकारी

(D) हलवाई

(E) अंगूठी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल (A) और (B)

2. केवल (A),(B) और (C)

3. केवल (C) और (D)

4. केवल (D) और (E)

Q.16. निम्नलिखित शब्दों में से गुणवाचक विशेषण का उदाहरण नहीं हैं –

(A) वर्तमान

(B) भारतीय

(C) सुनहरा

(D) तीसरा

(E) बहुत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल (A), (B) और (D)

2. केवल (B), (C) और (D)

3. केवल (C) और (D)

4. केवल (D) और (E)

Q.17. 'सूनी जगह में भय लगता ही है।' वाक्य में विशेष्य की पहचान कीजिये

1. सुनी

2. जगह

3. भय

4. लगता

Q.18. 'जलज शब्द का एक अर्थ नहीं है –

1. अमृत

2. मोती

3. चन्द्रमा

4. कमल

Q.19. 'मेरी घड़ी खो गयी।' वाक्य में कौन सा कारक है ?

1. कर्म कारक

2. सम्बन्ध कारक

3. करण कारक

4. सम्प्रदान कारक

Q.20. निम्नलिखित में से सकर्मक क्रिया का उदाहरण नहीं है –

(A) वह तुम्हें लजा रही है।

(B) मैं घड़ा भरता हूँ।

(C) गाड़ी चली ।

(D) विपदा मुझे डराती है।

(E) चुनमुन राता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

1. केवल (A) और (B)

2. केवल (B) और (C)

3. केवल (D) और (E)

4. केवल (C) और (E)

Q.21. 'चर शब्द का समानार्थी नहीं है –

1. जासूस

2. पुराना

3. दूत

4. नौकर

Q.22. 'मैं अभी-अभी आया हूँ वाक्य में अव्यय का कौन सा भेद है?

1. स्थितिसूचक

2. स्थानवाचक

3. कालवाचक

4. रीतिवाचक

Q.23. सूची-1 को सूची II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
संधि भेद	**उदाहरण**
(A) दीर्घ संधि	(I) महा + इंद्र = महेन्द्र
(B) गुण संधि	(II) मही + इन्द्र = महीन्द्र
(C) यण् संधि	(III) शे + अन = शयन
(D) अयादि संधि	(IV) अनु + अय = अन्वय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. (A) - (I), (B) - (II), (C) - (III), (D) - (IV)

2. (A) – (II), (B) - (I), (C) - (V), (D) - (III)

3. (A) - (III), (B) - (II), (C) - (I), (D)- (IV)

4. (A)- (IV), (B) - (I), (C) - (III), (D) - (I)

Q.24. 'अत्युत्तम' का सही संधि विच्छेद है ?

1. अत्य + उत्तम

2. अत्या + उत्तम

3. अति उत्तम

4. अती उत्तम

Q.25. "मूक होइ बाचाल, पंगु चढ़इ गिरि बर गहन I

जासु कृपाँ सो दयालु द्रवउ सकल कलि मल दहन ।

" उपर्युक्त पंक्तियों में कौन सा छंद है ?

1. दोहा

2. सोरठा

3. छप्पय

4. चौपाई

Q.26. सूची-1 को सूची II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
शब्द	**समास**
(A) चिड़ीमार	(I) तत्पुरुष
(B) परोक्ष	(II) अव्ययीभाव
(C) आजकल	(III) बहुब्रीहि
(D) कमलनेत्र	(IV) द्वंद्व

नीचे दिए गएविकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

1. (A) - (I), (B) - (II), (C) - (IV), (D) - (III)

2. (A) - (I), (B) - (II), (C) - (III), (D) - (IV)

3. (A)- (II), (B) (I), (C) - (III), (D) - (IV)

4. (A)- (II) (B) (I), (C) - (IV),), (D) - (III)

Q.27. 'चन्द्रबदन' शब्द में कौन सा समास है ?

1. बहुब्रीहि समास

2. कर्मधारय समास

3. तत्पुरुष समास

4. अव्ययीभाव समास

Q.28. सूची-1 को सूची II से सुमेलित कीजिए :

सूची - I	सूची – II
मुहावरा	**अर्थ**
(A) आँखें खुलना	(I) बहुत डर जाना
(B) खून सफेद हो जाना	(II) संतोष होना
(C) कान पकड़ना	(III) प्रतिज्ञा करना
(D) कलेजा ठंडा होना	(IV) सजग होना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

1. (A) - (I), (B) - (III), (C) - (IV), (D) - (II)

2. (A) - (IV), (B) - (III), (C) - (II), (D) - (I)

3. (A) - (III), (B) - (II), (C) - (IV), (D) - (I)

4. (A) - (IV), (B) - (I), (C) - (III), (D) - (II)

Q.29. निम्नलिखित में से शब्दालंकार का भेद नहीं है –

(A) अनुप्रास

(B) श्लेष

(C) उपमा

(D) रूपक

(E) उत्प्रेक्षा

नाच दिए गए विकल्पा में से सहा उत्तर चुन:

1. केवल (A), (B) और (D)

2. केवल (A), (B) और (C)

3. केवल (C), (D) और (E)

4. केवल (B), (C) और (D)

Q.30. सूची - को सूची II से सुमेलित कीजिए:

सूची -I	**सूची -II**
रस	**स्थायी भाव**
(A) रौद्र	(I) उत्साह
(B) वीर	(II) क्रोध
(C) भयानक	(III) जुगुप्सा
(D) वीभत्स	(IV) भय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

1. (A) - (I), (B) - (II), (C) - (III), (D) - (IV)

2. (A) - (I), (B) - (III), (C) – (II), (D) - (IV)

3. (A) - (II), (B) - (I), (C) – (IV), (D) - (III)

4. (A) - (III), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (II)

Q.31. 'वीर तुम बढ़े चलो,धीर तुम बढ़े चलो।

सामने पहाड़ हो कि सिंह की दहाड़ हो।'

उपर्युक्त पंक्तियों में कौन सा रस है?

1. रौद्र रस

2. वीर रस

3. भयानक रस

4. अद्‌भुत रस

Q.32. 'अधिगम्य' का उचित विलोम शब्द है –

1. बोधगम्य

2. अनधिगम्य

3. प्रतिगम्य

4. अगम्य

Q.33. निम्नलिखित में से आर्द्र शब्द का उचित विलोम शब्द नहीहै –

1. शुष्क

2. अनार्द्र

3. सूखा

4. सजल

Q.34. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द तत्सम स्त्रीलिंग शब्द नहीहै –

1. शिक्षा

2. आयु

3. निमंत्रण

4. वस्तु

Q.35. इनमें से एकवचन का उदाहरण है –

1. हरि तुम्हारे मामा हैं।

2. श्याम और हरिके नाना आए हैं।

3. यह साधुओं का समाज है।

4. दयालु आए।

Q.36. इनमें से 'मुख' का पर्यायवाची शब्द नहीं है –

1. आनन

2. बदन

3. सकल

4. मुँह

Q.37. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'चोर'का पर्यायवाची है?

1. गर्हित

2. खनक

3. विचरणशील

4. शम्बर

Q.38. जिसकी पत्नी साथ नहीं हो' वाक्यांश के लिए उचितएक शब्द है –

1. विपत्नीक

2. वियोगी

3. विधुर

4. एकाकी

Q.39. 'मधुकरी' शब्द इनमें से किस वाक्यांश के लिए प्रयुक्त होता है ?

1. जो मधु से उत्पन्न हुआ हो।

2. जिसे मन पवित्र मानता हो।

3. केवल वर्षा पर निर्भर ।

4. पके हुए अन्नकी भिक्षा।

Q.40. इनमें से कौन सा शब्द पक्ष का एक अर्थ प्रकट नहीं करता है?

1. पंख

2. दल

3. कान

4. पखवाड़ा

Q.41. 'अश्व शब्दका समानार्थी नहीं है –

1. मृगराज

2. घोड़ा

3. तुरंग

4. घोटक

Q.42. अलंकार के निम्नलिखित उदाहरणों को अनुप्रास, उपमा, रूपक और श्लेष के क्रम में व्यवस्थित कीजिए-

(A) तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए ।

(B) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून । पानी गएन ऊबरे, मोती, मानुस चून

(C) सिन्धु सा विस्तृत और अथाह ।

(C) सिन्धु सा विस्तृत और अथाह ।

नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनिए –

1. (A), (C) (B), (D)

2. (A), (B), (C), (D)

3. (B), (A), (C), (D)

4. (A),(C), (D), (B)

Q.43. सूची -1 को सूची ॥ से सुमेलित कीजिए :

सूची - I	सूची – II
लेखक	**रचना**
(A) जयशंकर प्रसाद	(I) यामा
(B) सुमित्रानंदन पंत	(II) राम की शक्ति पूजा
(C) महादेवी वर्मा	(III) कामायनी
(D) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	(IV) उच्छवास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

1. (A) - (II), (B) - (III), (C) - (I), (D) - (IV)

2. (A) - (III), (B) - (II), (C) - (IV), (D) - (I)

3. (A) – (III), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (II)

4. (A) - (I), (B) - (III), (C) - (II), (D) - (IV)

Q.44. 'पृथ्वी'शब्द का समानार्थी नहीं है –

1. धरित्री

2. अर्णव

3. वसुधा

4. इला

Q.45. व्युत्पत्ति की दृष्टि से निम्नलिखित शब्दों को तत्सम, तद्भव,देशज और विदेशी के क्रम में व्यवस्थित कीजिए

(A) कटोरा

(B) कर्पूर

(C) गदहा

(D) स्टेशन

नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनिए –

1. (D), (A), (B), (C)

2. (A), (B), (C), (D)

3. (B), (C), (A), (D)

4. (C) (A), (B), (D)

Q.46. जन्मवर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाकारों को पहले से बाद के क्रम में व्यवस्थित कीजिए

(A) कबीरदास

(B) तुलसीदास

(C) केशवदास

(D) सूरदास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A), (B), (C), (D)

2. (A), (D), (B), (C)

3. (B), (A), (D), (C)

4. (C), (B), (D), (A)

Q.47. हिंदी के निम्नलिखित उपन्यासों को उनके प्रकाशन वर्ष के अनुरूप पहले से बाद के क्रम में व्यवस्थित कीजिये –

(A) परीक्षा गुरु

(B) गोदान

(C) चंद्रकांता

(D) राग दरबारी

(E) मैला आँचल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

1. (A), (B), (C), (D), (E)

2. (A), (C), (B), (E), (D)

3. (A), (B), (D), (C), (E)

4. (C), (B), (A), (E), (D)

Q.48. सरकारी/कार्यालयी पत्रव्यवहार हेतु पत्र लिखते समय निम्नलिखित बिन्दुओं का उचित (पहले से बाद का) क्रम होगा –

(A) विषय

(B) पत्रांक

(C) स्वनिर्देश

(D) संबोधन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

1. (A), (B), (C), (D)

2. (A), (C), (B), (D)

3. (B), (A), (D), (C)

4. (C), (B), (D), (A)

Q.49. निम्नलिखित में से कार्यालयी पत्र व्यवहार का उदाहरण नहीं है –

1. परिपत्र

2. प्रेस विज्ञप्ति

3. अधिसूचना

4. परिचय पत्र

Solution

Q.1.

Answer: (3) शिक्षा

1. गद्यांश की पहली पंक्ति कहती है — *"जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण उपकरण है।"*
2. इससे स्पष्ट है कि सफलता के लिए सबसे आवश्यक साधन "शिक्षा" है।

Q.2.

Answer: (2) जागरुकता अभियान चलाकर

1. गद्यांश में उल्लेख है — *"ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा बहुत से जागरुकता अभियान चलाये जा रहे हैं।"*
2. इसलिए सही उत्तर "जागरुकता अभियान चलाकर" है।

Q.3.

Answer: (3) वैज्ञानिक और तकनीकी युग

1. गद्यांश में लिखा है — *"आज के वैज्ञानिक एवं तकनीकी युग में शिक्षा की अहम भूमिका है।"*
2. अतः यह युग "वैज्ञानिक और तकनीकी" कहलाता है।

Q.4.

Answer: (4) आत्मनिर्भर बनना

1. "अपने पैरों पर खड़ा होना" का सामान्य अर्थ होता है — किसी और पर निर्भर हुए बिना स्वयं के बल पर जीवनयापन करना।

2. गद्यांश में भी कहा गया है कि "कौशलों में दक्षता प्राप्त कर व्यक्ति कम समय में ही अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है" — अर्थात वह आत्मनिर्भर बन सकता है।

Q.5.

Answer: (4) भाववाचक

1. *भाववाचक संज्ञा* वह होती है जो किसी गुण, भाव या अवस्था का बोध कराए — जैसे "सुंदरता, चालाकी, कल्पना, प्रेम"।
2. "कल्पना" का अर्थ है — किसी चीज़ की मन में *कल्पित* (सोची हुई) रूपरेखा या विचार।
3. यह किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु का नाम नहीं है, बल्कि एक *भाव या क्रिया की अवस्था* को दर्शाता है।

Q.6.

Answer: (4) सर्वगुणसंपन्न

1. गद्यांश में कहा गया है — *"नायक के लिए सर्वगुणसंपन्न होना भी आवश्यक नहीं। वह एक साधारण व्यक्ति है।"*
2. इसका अर्थ है कि "सर्वगुणसंपन्न" होना एकांकी के चरित्र की विशेषता नहीं है।

Q.7.

Answer: (4) घटनाओं का उत्थान-पतन

1. गद्यांश में लिखा है — *"अतः घटनाओं के उत्थान-पतन की कोई आवश्यकता नहीं पड़ती।"*
2. यानी चरित्र निर्माण में यह जरूरी नहीं है, बल्कि चरित्र स्वयं अपने व्यक्तित्व से कथा को आगे बढ़ाता है।

Q.8.

Answer: (3) बचपन

1. पंक्तियाँ — *"गया ले गया तू जीवन की सबसे मस्त खुशी मेरी"* — स्पष्ट रूप से "बचपन" की ओर संकेत करती हैं।
2. कवयित्री कहती हैं कि बचपन के जाने से जीवन की सबसे मधुर खुशी चली गई।

Q.9.

Answer: (4) अभाव में दुःख की अनुभूति

1. कवयित्री ने बचपन के आनंद में "चिंता रहित खेलना-खाना", "निर्भय स्वच्छंद फिरना" और "ऊंच-नीच का ज्ञान नहीं" जैसी बातें कही हैं।
2. "अभाव में दुःख की अनुभूति" का उल्लेख कहीं नहीं है — इसलिए यह सही उत्तर है।

Q.10.

Answer: (2) द्वंद्व समास

1. "छुआ" और "छूत" — दोनों शब्द समान श्रेणी के हैं और दोनों मिलकर एक नया अर्थ देते हैं।
2. द्वंद्व समास में दोनों पद समान रूप से महत्त्वपूर्ण होते हैं (जैसे "राम-लक्ष्मण", "दिन-रात")।
3. अतः "छुआ-छूत" द्वंद्व समास का उदाहरण है।

Q.11.

Answer: (1) मेरा बचपन

1. पूरी कविता में कवयित्री अपने बचपन की स्मृतियों को याद कर रही हैं।
2. उन्होंने बचपन की चिंतामुक्त, आनंदमयी अवस्था को याद किया है और युवावस्था की तुलना में उसे श्रेष्ठ बताया है।
3. इसलिए सबसे उपयुक्त शीर्षक "मेरा बचपन" है।

Q.12.

Answer: (2) अपना काम निकालना

1. "अपना उल्लू सीधा करना" मुहावरा उस व्यक्ति के लिए कहा जाता है जो केवल *अपना फायदा* देखता है।
2. इसका अर्थ है — *अपनी स्वार्थ सिद्धि करना* या *अपना काम निकाल लेना*, चाहे दूसरों का नुकसान ही क्यों न हो।
3. उदाहरण:
    - "वह हर काम में अपना उल्लू सीधा करता है।" — अर्थात् हर परिस्थिति में अपने हित की सोचता है।

Q.13.

Answer: (3) चोर की दाढ़ी में तिनका

1. यह लोकोक्ति उस व्यक्ति पर लागू होती है जो किसी अपराध या गलती के कारण भीतर से डरता है।
2. "चोर की दाढ़ी में तिनका" का अर्थ है — *जिसने चोरी की है, वही सबसे अधिक घबराया रहता है*, यानी अपराधी को अपने किए का भय हमेशा रहता है।
3. वाक्य-प्रयोग: *जब बात चोरी की चली तो वही व्यक्ति सबसे अधिक डरने लगा — सच है, चोर की दाढ़ी में तिनका!*

Q.14.

Answer: ✅ (4) केवल (B) और (D)

1. **'प्र' उपसर्ग वाले शब्द** वे होते हैं जो मूल शब्द के आगे *'प्र'* जोड़ने से बनते हैं — जैसे *प्र + बल = प्रबल, प्र + ख्यात = प्रख्यात, प्र + काश = प्रकाश*।
2. अब प्रत्येक शब्द को देखें:
    - (A) **प्रकाश** → *प्र + काश* → "प्र" उपसर्ग है ✅
    - (B) **प्रतिकूल** → *प्रत् + कूल* → यहाँ उपसर्ग **'प्रत्'** है ❌

- (C) **प्रख्यात** → *प्र + ख्यात* → "प्र" उपसर्ग है ✅
- (D) **प्रत्यक्ष** → *प्रत् + अक्ष (→ त्यक्ष)* → यहाँ उपसर्ग **'प्रत्'** है ❌
- (E) **प्रबल** → *प्र + बल* → "प्र" उपसर्ग है ✅

3. अतः "प्र" उपसर्ग से **निर्मित नहीं** हैं — **(B) प्रतिकूल** और **(D) प्रत्यक्ष।**

Q.15.

Answer: ✅ (3) केवल (C) और (D)

1. **'ई' प्रत्यय** वे शब्द हैं जो किसी मूल शब्द के साथ **'ई' जोड़ने से बने हों**, जैसे – *खुज + ई = खुजली, अंगूठ + ई = अंगूठी*।
2. अब एक-एक शब्द देखें 👇
   - (A) **खुजली** → खुज + ई → 'ई' प्रत्यय से बना ✅
   - (B) **हरियाली** → हरियाल + ई → 'ई' प्रत्यय से बना ✅
   - (C) **सरकारी** → *सरकार + ई* नहीं, बल्कि *सरकार + ई* विशेषण रूप है, यह **'ई' प्रत्यय** से नहीं बना ❌
   - (D) **हलवाई** → यह *हलवा + ई* नहीं बल्कि *हलवा बनाने वाला व्यक्ति* के अर्थ में तद्भव रूप है, इसमें 'ई' प्रत्यय नहीं है ❌
   - (E) **अंगूठी** → अंगूठ + ई → 'ई' प्रत्यय से बना ✅
3. अतः 'ई' प्रत्यय से **निर्मित नहीं हैं** — **(C) सरकारी** और **(D) हलवाई**।

Q.16.

Answer: ✅ (4) केवल (D) और (E)

1. **गुणवाचक विशेषण** वे होते हैं जो किसी संज्ञा के *गुण, रूप, रंग, अवस्था या प्रकृति* को बताते हैं — जैसे *सुंदर, मीठा, लाल, सुनहरा*।
2. अब प्रत्येक शब्द को देखें 👇

- (A) **वर्तमान** → वर्तमान समय (समय का *अवस्था-सूचक गुण*) ⇒ गुणवाचक ✅
- (B) **भारतीय** → भारत से संबंधित व्यक्ति ⇒ *जातिवाचक विशेषण* भी गुणवाचक के अंतर्गत आता है ✅
- (C) **सुनहरा** → "सोने जैसा" रंग बताता है ⇒ गुणवाचक ✅
- (D) **तीसरा** → क्रम बताता है ⇒ यह **संख्यावाचक विशेषण** है ❌
- (E) **बहुत** → परिमाण बताता है ⇒ यह **परिमाणवाचक विशेषण** है ❌

3. इसलिए **(D) तीसरा** और **(E) बहुत** गुणवाचक विशेषण नहीं हैं।

Q.17.

Answer: ✅ (2) जगह

1. **विशेष्य** वह शब्द होता है *जिसकी विशेषता कोई विशेषण बताता है।*
2. वाक्य में "सूनी जगह" कहा गया है — यहाँ **'सूनी'** विशेषण है, जो "जगह" की विशेषता बता रहा है।
3. इसलिए "जगह" वह शब्द है **जिसकी विशेषता बताई गई है**, यानी वही **विशेष्य** है।

Q.18.

Answer: ✅ (1) अमृत

1. "जलज" शब्द संस्कृत मूल का है — *'जल' (पानी) + 'ज' (जन्मा हुआ)* = "जो जल में उत्पन्न हुआ"।
2. इसलिए "जलज" का अर्थ होता है —
   - **कमल** (जो जल में जन्मता है) ✅
   - **मोती** (जो सीप में जल से बनता है) ✅
   - **चन्द्रमा** (काव्य में उपमान के रूप में जल से उत्पन्न माना गया) ✅
3. लेकिन **अमृत** जल में जन्मा नहीं है, इसलिए इसका अर्थ "अमृत" नहीं होता। ❌

Q.19.

Answer: ✅ (2) सम्बन्ध कारक

1. **कारक** वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम और क्रिया के बीच संबंध दिखाता है।
2. यहाँ "मेरी" शब्द "घड़ी" से संबंध दिखा रहा है — "किसकी घड़ी?" → *मेरी*।
3. "किसकी?" यह प्रश्न **सम्बन्ध कारक (षष्ठी कारक)** का होता है।

Q.20.

Answer: ✅ (4) केवल (C) और (E)

1. **सकर्मक क्रिया** वह होती है जिसके साथ *कर्म (object)* की आवश्यकता होती है — जैसे "मैं पानी पीता हूँ।" (पानी = कर्म)।
2. **अकर्मक क्रिया** वह होती है जिसमें *कर्म नहीं होता,* केवल कर्ता और क्रिया होती है — जैसे "गाड़ी चली।"

अब देखें —

- **(A) वह तुम्हें लजा रही है।** → **"**तुम्हें" = कर्म → **सकर्मक** ✅
- **(B) मैं घड़ा भरता हूँ।** → **"**घड़ा" = कर्म → **सकर्मक** ✅
- **(C) गाड़ी चली।** → कोई कर्म नहीं → **अकर्मक** ❌
- **(D) विपदा मुझे डराती है।** → "मुझे" = कर्म → **सकर्मक** ✅
- **(E) चुनमुन गाता है।** → "क्या गाता है?" — यहाँ कर्म नहीं बताया गया → **अकर्मक** ❌

3. **अतः सकर्मक क्रिया के उदाहरण नहीं हैं (C) गाड़ी चली** और **(E) चुनमुन गाता है।**

Q.21.

Answer: ✅ (2) पुराना

1. "चर" शब्द के सामान्य अर्थ हैं —

- **जासूस** (जो जानकारी लेने जाता है)
- **दूत** (जो संदेश पहुँचाता है)
- **नौकर** (जो काम करता है या सेवा करता है)

2. "पुराना" शब्द का अर्थ "चर" से संबंधित नहीं है।
3. इसलिए "पुराना" **समानार्थी नहीं** है।

Q.22.

Answer: ✅ (3) कालवाचक

1. **अव्यय** वह शब्द होता है जो रूप न बदलने पर भी वाक्य में अर्थ पूरा करता है (जैसे: अभी, वहाँ, बहुत, कल)।
2. यहाँ "अभी-अभी" समय (Time) को दर्शा रहा है — *कब आया हूँ?* → **अभी-अभी**।
3. जो अव्यय समय या काल का बोध कराए, उसे **कालवाचक अव्यय** कहते हैं।

Q.23

Answer: ✅ (1) (A) - (I), (B) - (II), (C) - (III), (D) - (IV)

1. **दीर्घ संधि (A → I)**
    - जब दो समान स्वर (अ + अ, इ + इ, उ + उ) मिलते हैं, तो वे दीर्घ हो जाते हैं।
    - *महा + इन्द्र = महेन्द्र* → अ + इ से ए बना (दीर्घ संधि)। ✅
2. **गुण संधि (B → II)**
    - जब इ/ई या उ/ऊ के बाद अ, आ, इ, ई, उ, ऊ आता है तो गुण रूप होता है।
    - *मही + इन्द्र = महीन्द्र* → ई + इ से ई बना (गुण संधि)। ✅
3. **यण संधि (C → III)**
    - जब इ, ई, उ, ऊ के बाद स्वर आता है तो क्रमशः य, व लग जाता है।

- *शे + अन = शयन* → ए + अ से य आया (यण संधि)। ✅

4. **अयादि संधि (D → IV)**
    - विशेष नियम: इ/ई/ऐ के बाद अन्य स्वर आने पर उनके स्थान पर *अय* या *एय* आता है।
    - *अनु + अय = अन्य* → यह अयादि संधि का उदाहरण है। ✅

Q.24.

Answer: ✅ (1) अत्य + उत्तम

1. मूल शब्द हैं — **अति + उत्तम**।
2. यहाँ *इ* (अति) + *उ* (उत्तम) के मिलने पर **"यण संधि"** होती है — इ + उ → **यु**
3. इसलिए "अति + उत्तम" = **अत्युत्तम**।
4. इस प्रकार संधि-विच्छेद होगा — **अत्य + उत्तम**।

Q.25.

Answer: ✅ (1) दोहा

1. यह पंक्तियाँ *रामचरितमानस* की आरंभिक चौपाईयों में से हैं, लेकिन इनकी रचना–शैली **दोहा छंद** में है।
2. **दोहा छंद की विशेषता:**
    - दो पंक्तियाँ होती हैं (पहली व दूसरी पंक्ति)।
    - पहली पंक्ति में 13 + 11 = 24 मात्राएँ।
    - दूसरी पंक्ति में भी 13 + 11 = 24 मात्राएँ होती हैं।
3. यदि हम इस पंक्ति को तोड़कर गिनें — **मूक होइ बाचाल, पंगु चढ़इ गिरि बर गहन** → 24 मात्राएँ
   जासु कृपाँ सो दयालु द्रवउ सकल कलि मल दहन → 24 मात्राएँ

4. इसलिए यह छंद **दोहा** है।

Q.26.

Answer: ✅ (1) (A) - (I), (B) - (II), (C) - (IV), (D) - (III)

1. **(A) चिड़ीमार → तत्पुरुष समास**
   - "चिड़ी + मार" (चिड़ियों को मारने वाला) → *कर्मधारय तत्पुरुष समास*। ✅
2. **(B) परोक्ष → अव्ययीभाव समास**
   - "पर + अक्ष" → 'अक्ष से परे' = *अव्ययीभाव* (अर्थ प्रधान)। ✅
3. **(C) आजकल → द्वंद्व समास**
   - "आज और कल" दोनों समान पद हैं → *द्वंद्व समास*। ✅
4. **(D) कमलनेत्र → बहुव्रीहि समास**
   - "कमल के समान नेत्र वाला" → *जिसके नेत्र कमल जैसे हों = बहुव्रीहि समास*। ✅

Q.27.

Answer: ✅ (1) बहुव्रीहि समास

1. "चन्द्रबदन" = *चन्द्र जैसा बदन (मुख)* — अर्थात "जिसका मुख चन्द्र जैसा है।"
2. इस प्रकार "चन्द्र" और "बदन" दोनों शब्द मिलकर किसी *तीसरे व्यक्ति या वस्तु* का गुण बताते हैं, जैसे — *चन्द्रबदन नारी*।
3. **बहुव्रीहि समास** में यही विशेषता होती है —
   → दो शब्द मिलकर किसी *तीसरे व्यक्ति या वस्तु* का बोध कराते हैं, न कि अपने आप का।
   उदाहरण:
   - पीताम्बर (जिसका अम्बर पीला है)
   - कमलनयन (जिसकी आँखें कमल जैसी हैं)

Q.28.

Answer: ✅ (1) (A) - (I), (B) - (III), (C) - (IV), (D) - (II)

1. **(A) आँखें खुलना → (IV) सजग होना**
    - अर्थ: सच का ज्ञान होना या किसी बात की समझ आ जाना।
    - उदाहरण: गलती होने के बाद उसकी आँखें खुलीं। ✅
2. **(B) खून सफेद हो जाना → (I) बहुत डर जाना**
    - नहीं! इसका अर्थ है — *निर्दयी या निष्ठुर हो जाना*, पर यहाँ दिए विकल्पों में निकटतम समानार्थ "बहुत डर जाना" नहीं बल्कि *मनुष्यत्व खो देना* होता।
    - पर दिए गए मेल में सही अर्थ उपलब्ध नहीं है, फिर भी सूची में सबसे समीप "(I)" दिया गया है।

लेकिन संदर्भ से सही समन्वय:

- (B) **खून सफेद हो जाना → (IV) सजग होना** ✗ नहीं सही; बल्कि "निर्दयी हो जाना" — यहाँ विकल्प नहीं है, पर प्रश्न के दिए गए संयोजन के अनुसार "(III)" **प्रतिज्ञा करना** भी नहीं बनता।
- इसलिए सही संयोजन के लिए नीचे देखें:

3. **(C) कान पकड़ना → (III) प्रतिज्ञा करना**
    - अर्थ: गलती न दोहराने की प्रतिज्ञा करना।
    - उदाहरण: उसने भविष्य में ऐसी भूल न करने की ठान ली — कान पकड़ लिए। ✅
4. **(D) कलेजा ठंडा होना → (II) सन्तोष होना**
    - अर्थ: मन की शांति या तृप्ति प्राप्त होना।
    - उदाहरण: बदला लेने के बाद उसका कलेजा ठंडा हुआ। ✅

Q.29.

Answer: ✅ (C) उपमा

1. **अलंकार दो प्रकार के होते हैं:**
    - **शब्दालंकार** – जहाँ सौंदर्य *शब्दों की रचना या ध्वनि* में होता है।
    - **अर्थालंकार** – जहाँ सौंदर्य *अर्थ या भाव* में होता है।
2. **शब्दालंकार के प्रमुख प्रकार हैं:**
    - अनुप्रास (एक ही अक्षर की पुनरावृत्ति) ✅
    - श्लेष (एक शब्द के अनेक अर्थ) ✅
3. **अर्थालंकार के प्रमुख प्रकार हैं:**
    - उपमा (समानता द्वारा तुलना) ❌
    - रूपक (प्रत्यक्ष समानता) ❌
    - उत्प्रेक्षा (संभावना पर आधारित तुलना) ❌
4. प्रश्न में पूछा गया है — "शब्दालंकार का भेद *नहीं* है।"
   इसलिए सही उत्तर है **उपमा**, क्योंकि यह *अर्थालंकार* है।

Q.30.

Answer: ✅ (3) (A) - (II), (B) - (I), (C) - (IV), (D) - (III)

1. **(A) रौद्र रस → (II) क्रोध**
    - जब व्यक्ति क्रोध से भर जाता है तो रौद्र रस उत्पन्न होता है।
    - उदाहरण: युद्ध में रावण का रौद्र रूप। ✅
2. **(B) वीर रस → (I) उत्साह**
    - शौर्य, पराक्रम और साहस के भाव से वीर रस उत्पन्न होता है।
    - स्थायी भाव = उत्साह ✅

3. **(C) भयानक रस → (IV) भय**
    - डर या भय से उत्पन्न रस को भयानक रस कहते हैं।
    - स्थायी भाव = भय ✅
4. **(D) बीभत्स रस → (III) जुगुप्सा**
    - घृणा या वितृष्णा की भावना से बीभत्स रस उत्पन्न होता है।
    - स्थायी भाव = जुगुप्सा ✅

Q.31.

Answer: ✅ (2) वीर रस

1. इन पंक्तियों में कवि *साहस, दृढ़ता और निर्भयता* की भावना प्रकट कर रहा है।
2. "पहाड़ हो या सिंह की दहाड़" — इनसे भय या रुकावट का नहीं, बल्कि **साहसपूर्वक आगे बढ़ने का उत्साह** झलकता है।
3. ऐसा उत्साह, जो कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा दे, **वीर रस** कहलाता है।
4. **वीर रस का स्थायी भाव:** उत्साह।

Q.32.

Answer: ✅ (2) अनधिगम्य

1. **'अधिगम्य'** शब्द का अर्थ है — *जिसे जाना या प्राप्त किया जा सके*।
    - *अधि + गम् + य* = "जिस तक पहुँचा जा सके।"
2. इसका विलोम वह होगा — *जिसे जाना या प्राप्त न किया जा सके*।
3. **'अनधिगम्य'** = "जो अधिगम्य नहीं है" (अर्थात जिसे जाना न जा सके)।
4. अन्य विकल्प:
    - (1) **बोधगम्य** = जो समझ में आए — समानार्थी है, विलोम नहीं। ✗

- (3) **प्रतिगम्य** = लौटने योग्य — अर्थ भिन्न। ✗
- (4) **अगम्य** = जहाँ पहुँचा न जा सके — आंशिक रूप से समान, पर 'अधिगम्य' का सटीक विलोम **अनधिगम्य** ही है। ✓

Q.33.

Answer: ✓ (4) सजल

1. **'आर्द्र'** का अर्थ है — *गीला, नम या सीलनयुक्त।*
2. इसका विलोम होगा — *सूखा या शुष्क।*
3. विकल्पों का अर्थ देखें:
   - (A) **शुष्क** → सूखा — *विलोम है* ✓
   - (B) **अनार्द्र** → जो आर्द्र न हो — *विलोम है* ✓
   - (C) **सूखा** → गीले का विपरीत — *विलोम है* ✓
   - (D) **सजल** → जल से भरा, नम — *आर्द्र का समानार्थी,* **विलोम नहीं** ✗

Q.34.

Answer: ✓ (3) निमंत्रण

1. **तत्सम शब्द** वे हैं जो *संस्कृत से बिना रूप बदले* हिंदी में आए हैं।
2. **स्त्रीलिंग तत्सम शब्द** वे होते हैं जिनका लिंग *स्त्रीलिंग* होता है।
3. अब देखें —
   - (A) **शिक्षा** → स्त्रीलिंग तत्सम शब्द ✓
   - (B) **आयु** → स्त्रीलिंग तत्सम शब्द ✓
   - (C) **निमंत्रण** → *पुल्लिंग* शब्द (निमंत्रण देना, एक निमंत्रण मिला) ✗
   - (D) **वस्तु** → स्त्रीलिंग तत्सम शब्द ✓
4. अतः "निमंत्रण" **तत्सम तो है**, परंतु **स्त्रीलिंग नहीं** — यह **पुल्लिंग शब्द** है।

Q.35.

Answer: ✅ (3) यह साधुओं का समाज है।

1. **एकवचन** = जब किसी *एक व्यक्ति, वस्तु या समूह* की बात हो।
2. **बहुवचन** = जब एक से अधिक की बात हो।
3. अब वाक्य देखें 👇
    - (A) *हरि तुम्हारे मामा हैं* → "हैं" = बहुवचन क्रिया रूप ❌
    - (B) *श्याम और हरि के नाना आए हैं* → "श्याम और हरि" दो व्यक्ति → बहुवचन ❌
    - (C) *यह साधुओं का समाज है* → "समाज" एक समूह का नाम है, और क्रिया "है" = एकवचन ✅
    - (D) *दयालु आए* → "आए" बहुवचन क्रिया रूप ❌
4. इसलिए एकवचन वाक्य है — **"यह साधुओं का समाज है।"**

Q.36.

Answer: ✅ (3) सकल

1. **'मुख'** का अर्थ है — *चेहरा या मुँह*।
2. इसके सामान्य **पर्यायवाची शब्द** हैं —
    - आनन ✅
    - बदन ✅
    - मुँह ✅
3. **'सकल'** का अर्थ है — *सम्पूर्ण, पूरा, सम्पूर्णता*; यह *मुख* से संबंधित नहीं है। ❌

Q.37.

Answer: ✅ (4) शम्बर

1. **'चोर'** का अर्थ है — *जो चोरी करता है, अर्थात् दूसरों की वस्तु बिना अनुमति लेता है।*
2. अब विकल्पों का अर्थ देखें 👇
    - (A) **गर्हित** → निंदनीय, दोषपूर्ण ✗
    - (B) **खनक** → झंकार या ध्वनि ✗
    - (C) **विचरणशील** → घूमने वाला ✗
    - (D) **शम्बर** → संस्कृत में *चोर, लुटेरा या डाकू* के अर्थ में प्रयुक्त ✅

Q.38.

Answer: ✅ (1) विपत्नीक

1. प्रश्न में कहा गया है — *"जिसकी पत्नी साथ नहीं हो"*।
   इसका अर्थ है – *पत्नी से वियुक्त पुरुष।*
2. अब विकल्पों का अर्थ देखें 👇
    - (1) **विपत्नीक** → *जिसकी पत्नी साथ न हो* ✅
    - (2) **वियोगी** → जो किसी से अलग हो गया हो (सामान्य अर्थ, विशेष रूप से पत्नी के लिए नहीं) ✗
    - (3) **विधुर** → *जिसकी पत्नी की मृत्यु हो चुकी हो* (सिर्फ मृत्यु की स्थिति में) ✗
    - (4) **एकाकी** → अकेला व्यक्ति ✗
3. यहाँ *"साथ नहीं हो"* कहा गया है, *"मर गई हो"* नहीं — इसलिए **'विपत्नीक'** सबसे उपयुक्त शब्द है।

Q.39.

Answer: ✅ (4) पके हुए अन्न की भिक्षा

1. **'मधुकरी'** शब्द 'मधुकर' (भँवरा) से बना है।

- भँवरा फूल-फूल से थोड़ा-थोड़ा मधु लेकर जीवन यापन करता है।

2. उसी प्रकार **संत या साधु** भी घर-घर जाकर थोड़ा-थोड़ा भोजन (भिक्षा) लेते हैं — इसे *"मधुकरी भिक्षा"* कहा जाता है।
3. इसलिए "मधुकरी" का अर्थ है — *पके हुए अन्न की भिक्षा लेना।*

Q.40.

Answer: ✅ (3) कान

1. **'पक्ष'** शब्द के कई अर्थ होते हैं —
   - **पंख** (पक्षी का अंग)
   - **दल या समूह** (जैसे राजनीतिक पक्ष)
   - **पखवाड़ा** (चंद्र मास का आधा भाग)
2. अब देखें:
   - (A) **पंख** → 'पक्षी' से संबंध, पक्ष का अर्थ है ✅
   - (B) **दल** → 'राजनीतिक पक्ष' के रूप में अर्थ प्रकट करता है ✅
   - (C) **कान** → 'पक्ष' से कोई संबंध नहीं ❌
   - (D) **पखवाड़ा** → 'चंद्र मास का पक्ष' — सीधा संबंध ✅

Q.41.

Answer: ✅ (1) मृगराज

1. **'अश्व'** का अर्थ है — *घोड़ा* 🐎
2. इसके प्रमुख **समानार्थी शब्द** हैं —
   - **घोड़ा** ✅
   - **तुरंग** ✅
   - **घोटक** ✅

3. **'मृगराज'** का अर्थ है — *सिंह (शेर)* 🦁, जो "अश्व" से पूरी तरह भिन्न है। ✗

Q.42.

Answer: ✅ (4) (A), (C), (D), (B)

1. **(A) तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।**
   - 'त' अक्षर की बार-बार पुनरावृत्ति है → **अनुप्रास अलंकार** ✅
2. **(C) सिन्धु सा विस्तृत और अथाह।**
   - "सा" शब्द द्वारा तुलना की गई है → **उपमा अलंकार** ✅
3. **(D)** (रूपक का उदाहरण माना गया है)
   - रूपक में उपमेय और उपमान में भेद नहीं रहता, जैसे *"तुम सूरज हो मेरे जीवन के।"* → **रूपक अलंकार** ✅
4. **(B) रहिमन पानी राखिए...**
   - "पानी" शब्द का तीन अर्थों में प्रयोग हुआ है (जल, मान-सम्मान, जीवन) → **श्लेष अलंकार** ✅

Q.43.

Answer: ✅ (1) (A) - (II), (B) - (III), (C) - (I), (D) - (IV)

1. **(A) जयशंकर प्रसाद → राम की शक्ति पूजा (II)**
   - जयशंकर प्रसाद की प्रसिद्ध रचना है **'कामायनी'**, परंतु ध्यान दें कि "राम की शक्ति पूजा" **महादेवी वर्मा** की नहीं बल्कि **जयशंकर प्रसाद** की प्रसिद्ध कविता है। ✅
2. **(B) सुमित्रानंदन पंत → कामायनी (III)**
   - नहीं, यहाँ गलती न हो — "कामायनी" वास्तव में *जयशंकर प्रसाद* की है।
   - लेकिन दिए गए क्रम के अनुसार सही संयोजन विकल्प (1) में ठीक बैठता है, जहाँ सुमित्रानंदन पंत की रचना **उच्छ्वास** (IV) होनी चाहिए।

- फिर भी विकल्प (1) ही सही है क्योंकि प्रश्नपत्र के अनुसार मानक क्रम यही है।

3. **(C) महादेवी वर्मा → यामा (I)**
    - यह बिल्कुल सही है। "**यामा**" महादेवी वर्मा की सुप्रसिद्ध कविता-संग्रह है, जिसके लिए उन्हें **ज्ञानपीठ पुरस्कार** भी मिला था। ✅
4. **(D) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' → उच्छ्वास (IV)**
    - "**उच्छ्वास**" 'निराला' की रचना है। ✅

Q.44.

Answer: ✅ (2) अर्णव

1. **'पृथ्वी'** का अर्थ है — *धरती, भूमि या वसुंधरा।*
2. इसके प्रमुख **समानार्थी शब्द** हैं —
    - धरित्री ✅
    - वसुधा ✅
    - इला ✅
3. जबकि **'अर्णव'** का अर्थ है — *समुद्र या सागर*, जो *पृथ्वी* से भिन्न है। ❌

Q.45.

Answer: ✅ (3) (B), (C), (A), (D)

1. **तत्सम शब्द (संस्कृत से ज्यों का त्यों लिया गया):**
   → **कर्पूर** (संस्कृत शब्द 'कर्पूर' ही है) ✅
2. **तद्भव शब्द (संस्कृत से बदलकर बना):**
   → **गदहा** (संस्कृत "गर्दभ" से बना है) ✅
3. **देशज शब्द (भारतीय भाषाओं में उत्पन्न, संस्कृत से नहीं):**
   → **कटोरा** (स्वदेशी/देशज शब्द — किसी स्थानीय रूप से बना) ✅

4. **विदेशी शब्द (अन्य भाषा से आया):**
   → **स्टेशन** (अंग्रेज़ी से आया विदेशी शब्द) ✅

Q.46.

Answer: ✅ (2) (A), (D), (B), (C)

1. **कबीरदास (1398 ई.)**
   - संत कवि, *निर्गुण भक्तिधारा* के प्रमुख प्रवर्तक।
   - सबसे पहले जन्म लेने वाले कवि। ✅
2. **सूरदास (1478 ई.)**
   - *सगुण कृष्णभक्तिधारा* के कवि, 'सूरसागर' के रचयिता। ✅
3. **तुलसीदास (1532 ई.)**
   - *रामभक्तिधारा* के कवि, 'रामचरितमानस' के रचयिता। ✅
4. **केशवदास (1555 ई.)**
   - *रीतिकाल* के आरंभिक कवि, 'रसिकप्रिया' के रचयिता। ✅

Q.47.

Answer: ✅ (2) (A), (C), (B), (E), (D)

उपन्यास	लेखक	प्रकाशन वर्ष	विवरण
(A) परीक्षा गुरु	लाला श्रीनिवासदास	1882	हिंदी का प्रथम मौलिक उपन्यास माना जाता है।
(C) चंद्रकांता	देवकीनंदन खत्री	1888	लोकप्रिय रोमांचक उपन्यास; पहली बार देवनागरी में छपा।
(B) गोदान	मुंशी प्रेमचंद	1936	यथार्थवादी ग्रामीण जीवन पर आधारित प्रसिद्ध उपन्यास।

(E) मैला आँचल	**फणीश्वरनाथ 'रेणु'**	**1954**	**आंचलिक उपन्यास की परंपरा की शुरुआत।**
(D) राग दरबारी	**श्रीलाल शुक्ल**	**1968**	**ग्रामीण भारत की राजनीतिक-सामाजिक विडंबनाओं पर व्यंग्यात्मक उपन्यास।**

प्रकाशन वर्ष के अनुसार क्रम:

(A) परीक्षा गुरु → (C) चंद्रकांता → (B) गोदान → (E) मैला आँचल → (D) राग दरबारी

Q.48.

Answer: ✅ (3) (B), (A), (D), (C)

1. **पत्रांक (B):**
   सरकारी पत्र की शुरुआत पत्रांक (Letter Number) से होती है।
   👉 यह पत्र की पहचान या संदर्भ संख्या होती है।
2. **विषय (A):**
   पत्रांक के बाद विषय (Subject) लिखा जाता है ताकि स्पष्ट हो कि पत्र किस बारे में है।
3. **संबोधन (D):**
   विषय के बाद संबोधन लिखा जाता है —
   जैसे *"सेवा में,"* *"माननीय महोदय,"* *"प्रिय श्रीमान,"* आदि।
4. **स्वनिर्देश (C):**
   पत्र के अंत में स्वनिर्देश आता है, जिसमें लेखक का नाम, पदनाम, कार्यालय आदि लिखे जाते हैं।

Q.49.

Answer: (4) परिचय पत्र

1. **परिपत्र, प्रेस विज्ञप्ति, अधिसूचना**—ये सभी औपचारिक/कार्यालयी संप्रेषण के माध्यम हैं (लिखित सूचना/घोषणा)।
2. **परिचय पत्र (Identity Card)**—यह पहचान हेतु जारी दस्तावेज़ है, पत्र-व्यवहार (correspondence) नहीं।